जॉर्ज फेरिस का चर्खी-झूला

जीन बैरेटा, चित्र: मोनिका कुलिंग

जॉर्ज फेरिस
का चर्खी-झूला

जीन बैरेटा, चित्र: मोनिका कुलिंग

जॉर्ज को बड़ी पन-चक्की (रहट) को गोल-गोल घूमते देखना पसंद था.

पन-चक्की (रहट) नदी से लोगों और जानवरों के पीने के लिए पानी निकालती थी. पन-चक्की से खेतों में पानी की सिंचाई होती थी. और पन-चक्की मक्का पीसती थी.

जॉर्ज को पन-चक्की की आवाज बहुत पसंद थी.
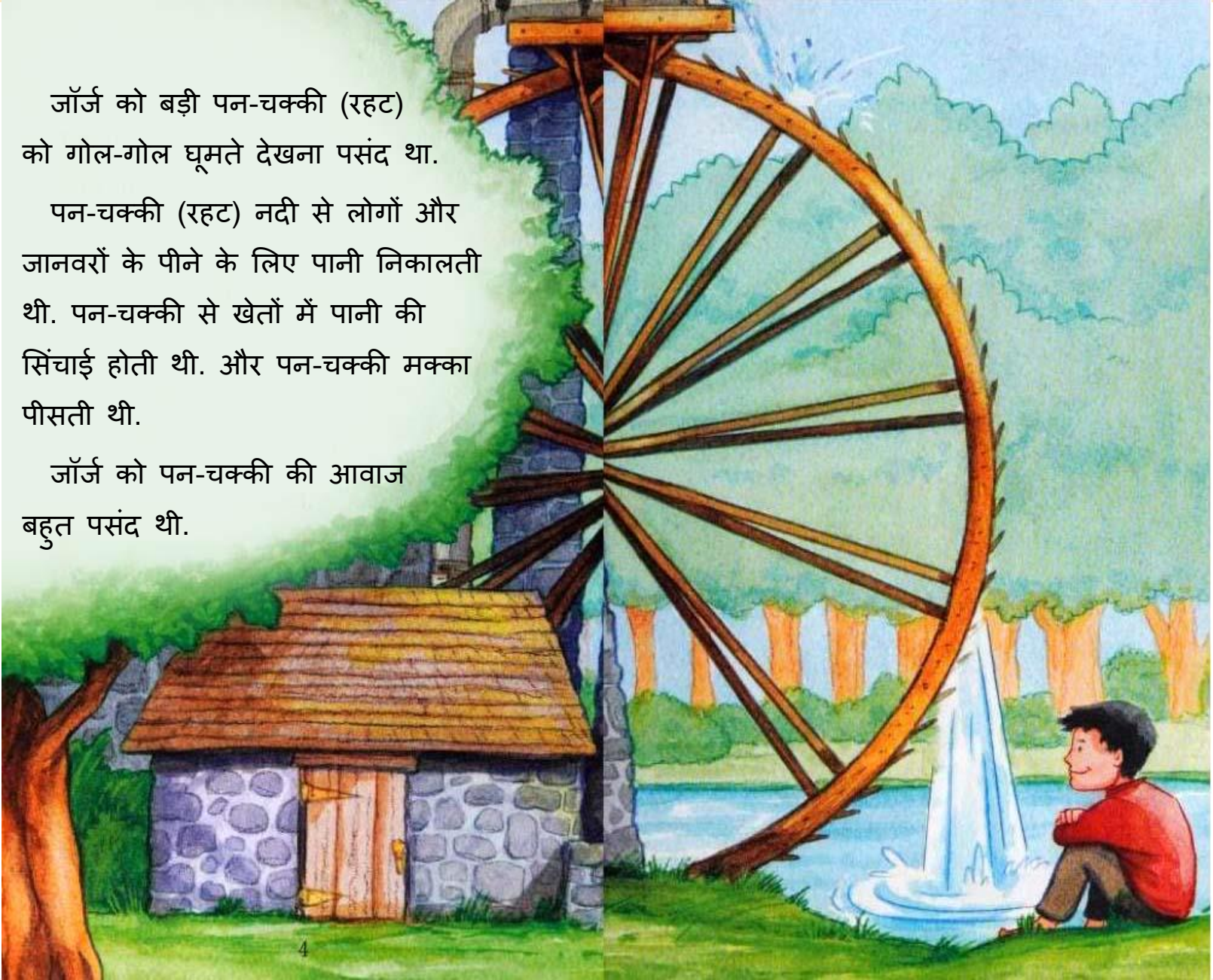
वो 1867 के साल था.

जॉर्ज वाशिंगटन गेल फेरिस जूनियर नेवादा में एक फार्म पर रहता था.

जॉर्ज घोड़ों की सवारी करता था.

जब वो छोटे-छोटे काम कर रहा होता था तब भी पन-चक्की का पहिया घूमता रहता था.
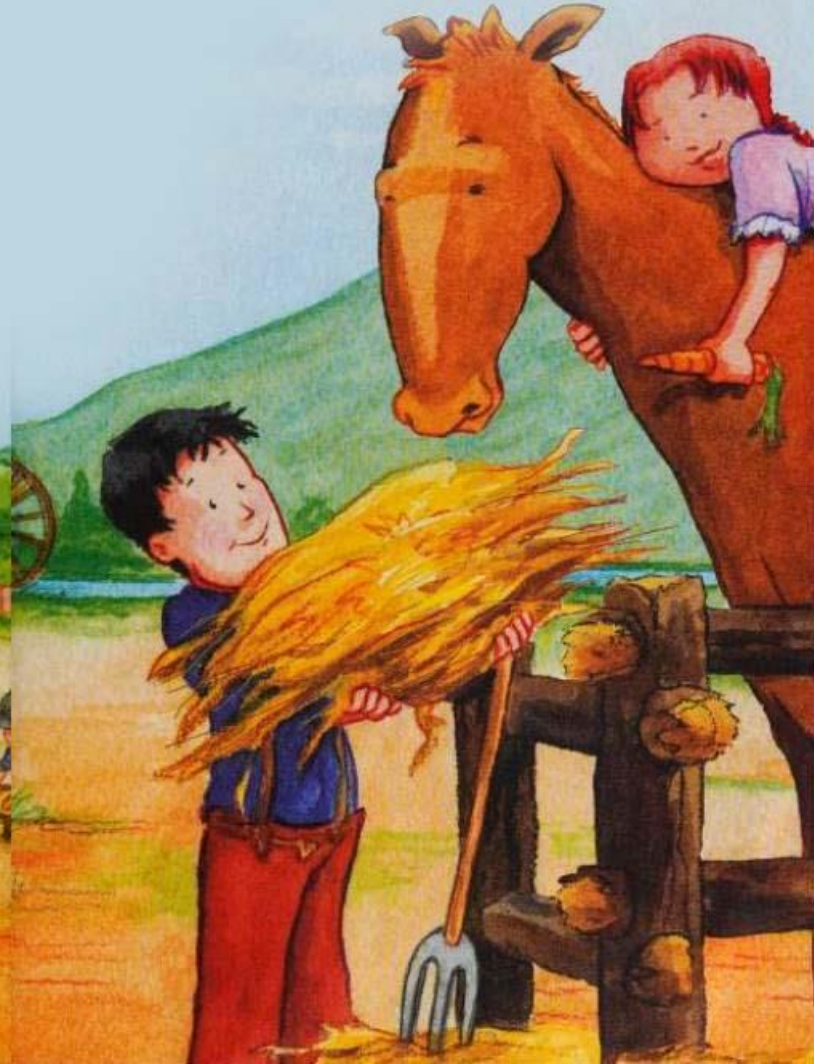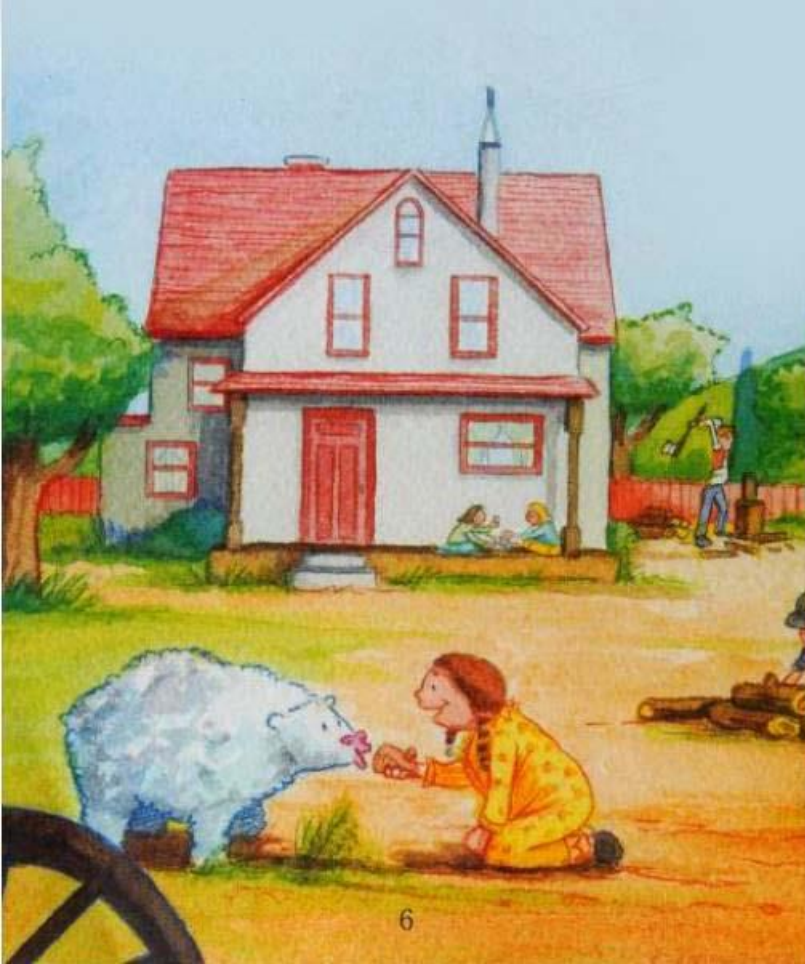
कार्सन नदी पर पन-चक्की सर्दियों, वसंत, ग्रीष्म और पतझड़ के मौसमों में घूमती थी. जैसे-जैसे पन-चक्की घूमती गई, जॉर्ज की ऊंचाई और अधिक बढ़ती गई.

चौदह साल की उम्र में जॉर्ज ने स्कूल जाने के लिए अपना घर छोड़ा. जॉर्ज ने कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की. फिर वो एक इंजीनियर के रूप में काम करने के लिए तैयार था. उसने पुलों और सड़कों, नहरों और बांधों को डिजाइन करने की पढ़ाई की थी.
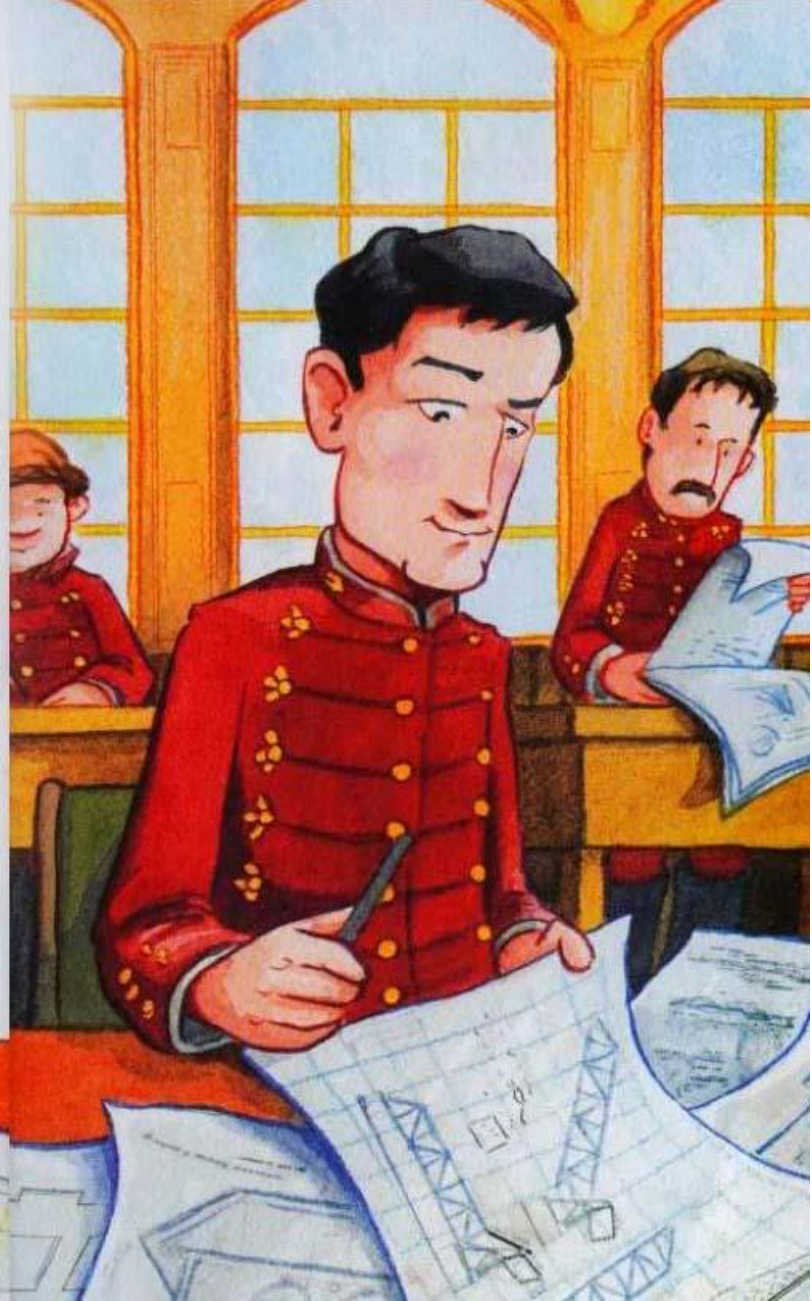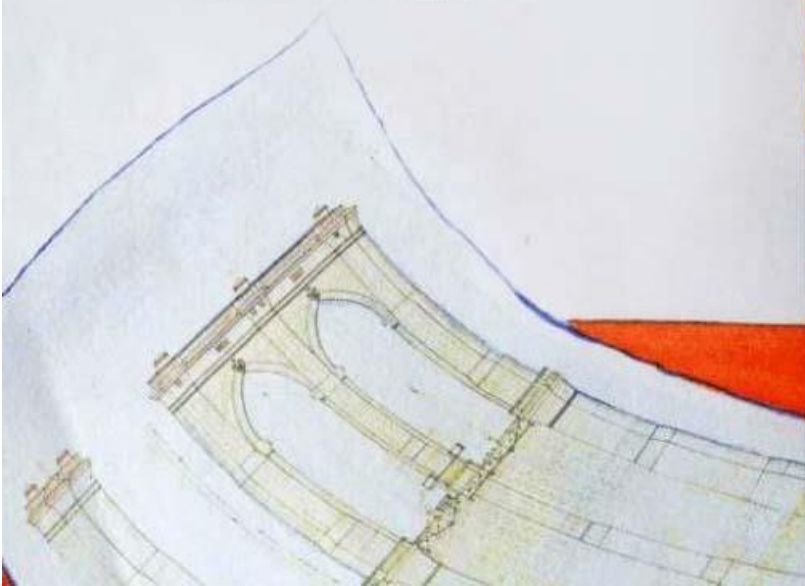
उसके बाद जॉर्ज पिट्सबर्ग, पेंसिल्वेनिया चला गया.

वहां उसे अपने सपनों की नौकरी मिल गई.

उसे एलेघेनी नदी पर एक पुल डिजाइन करने का काम मिला.

जॉर्ज मज़दूरों द्वारा "अपना" पुल बनाते हुए देखने के लिए अक्सर अपने कुत्ते, सैल को अपने साथ ले जाता था.
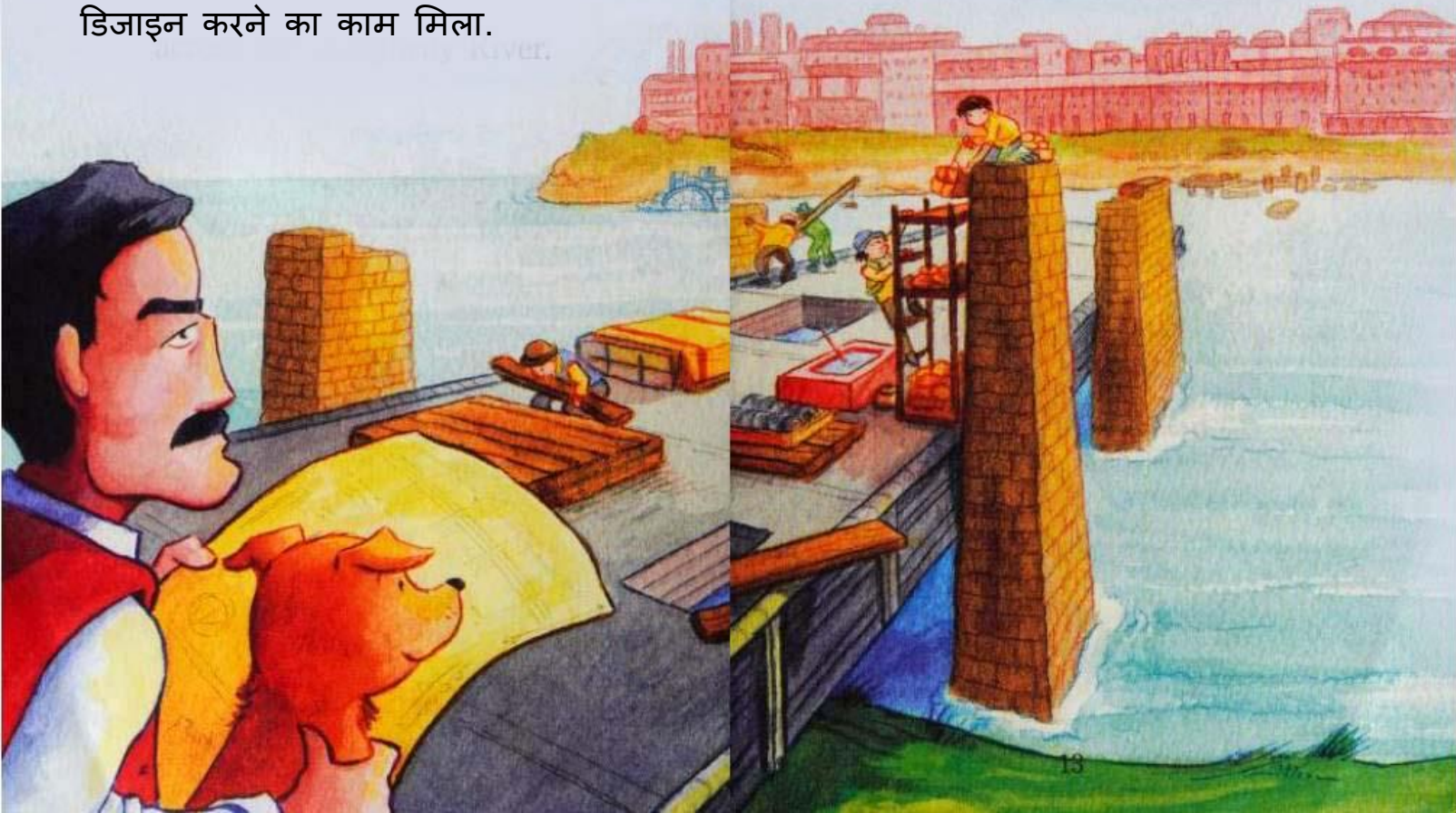
जॉर्ज ने 1886 में मार्गरेट से शादी की. उन्होंने अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया. उनकी कम्पनी का नाम था - फेरिस एंड कंपनी.
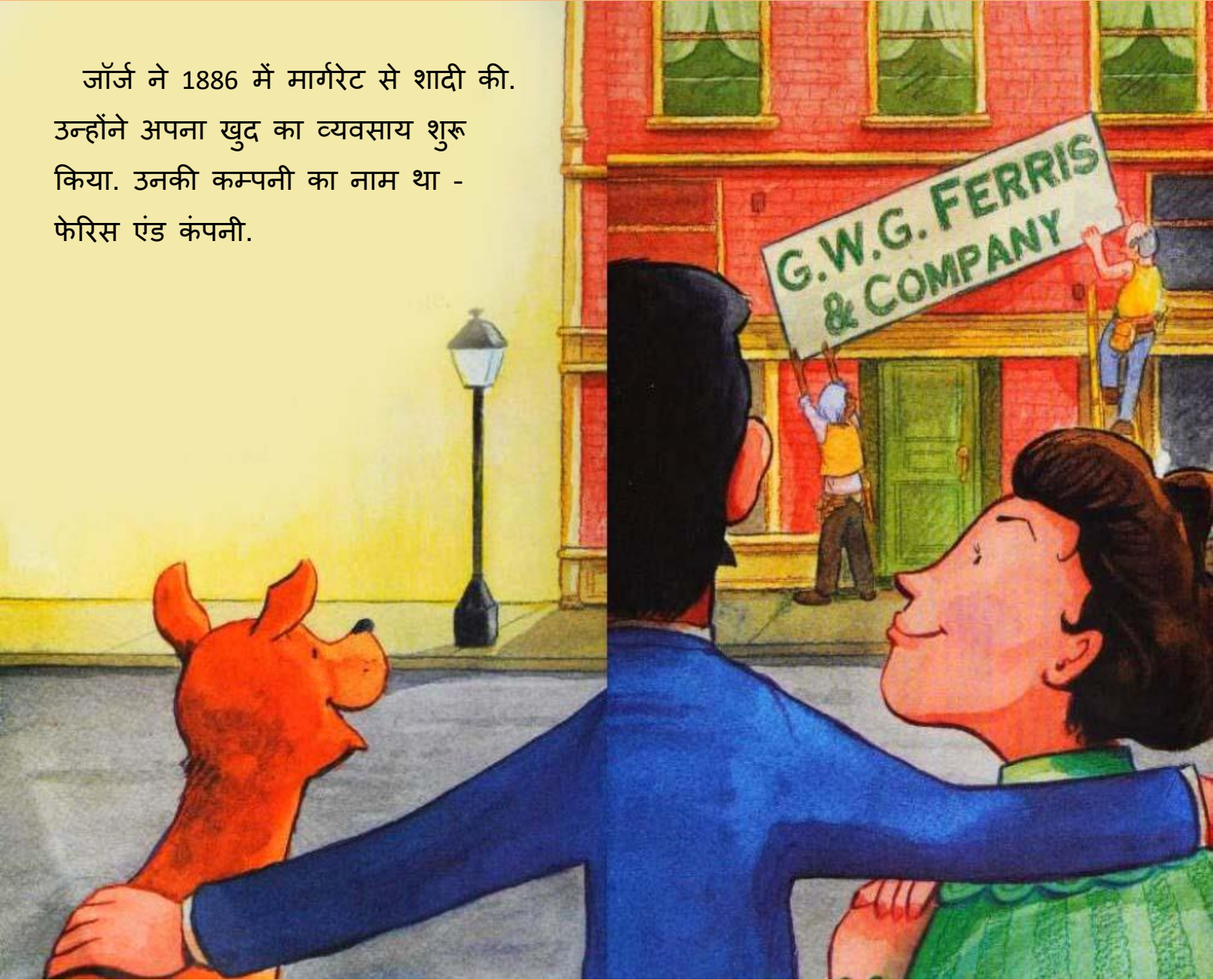
फिर 1892 का साल आया.

1893 में शिकागो में एक विश्व मेला आयोजित होने वाला था! मेले के लिए इंजीनियर पेरिस की मशहूर आईफिल टॉवर जैसा कुछ अलग और आकर्षक बनाना चाहते थे. मार्गरेट ने उसके बारे में अखबारों में पढ़ा.

"एक प्रतियोगिता होने जा रही है," उसने जॉर्ज से कहा. "तुम्हें उसमें ज़रूर हिस्सा लेना चाहिए."
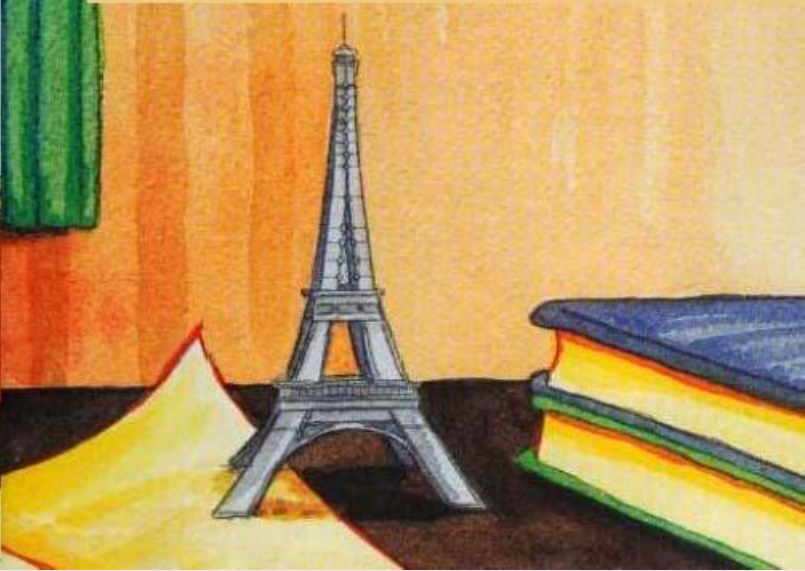
मार्गरेट ने जॉर्ज का सामान बाँधा. जॉर्ज ने अन्य इंजीनियरों से मिलने के लिए शिकागो की ट्रेन पकड़ी.
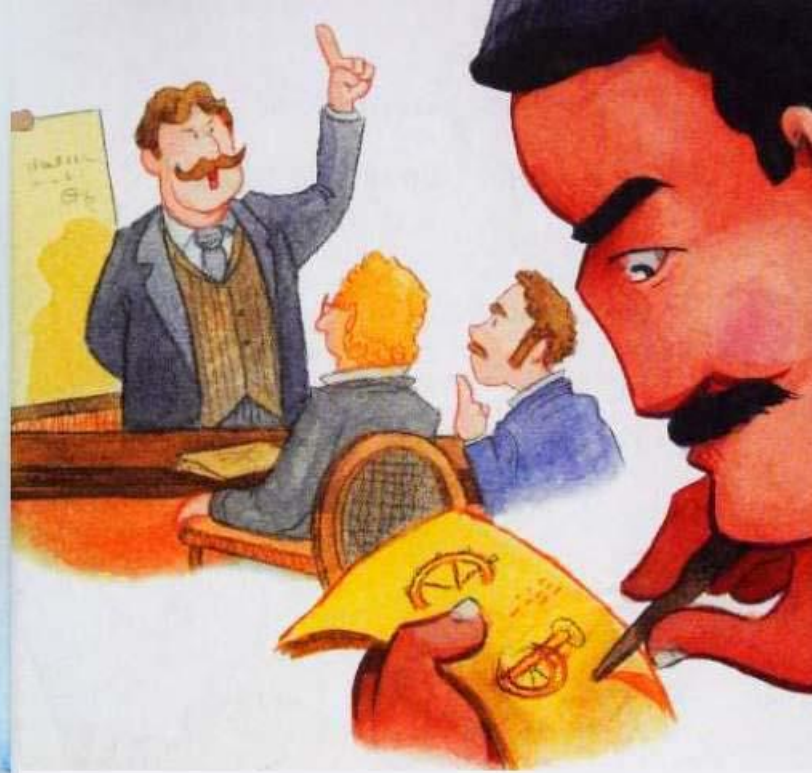
मेले की इमारतों के प्रभारी डैनियल बर्नहैम थे. वहां हर कोई एक ऊंची मीनार यानि टावर बनाना चाहता था.

"हमें पेरिस की नकल नहीं करना चाहिए," उन्होंने कहा. वहीँ पर जॉर्ज चुपचाप एक कोने में बैठा हुआ रुमाल पर एक चित्र बना रहा था.

मिस्टर बर्नहैम ने उस चित्र को देखा.

"लोग एक विशाल पहिए पर सवारी करेंगे," जॉर्ज ने कहा. "वो लोग मेले और मिशिगन झील का एक विहंगम दृश्य देख पाएंगे."

"मुझे लगता है वो विशाल पहिया काम नहीं करेगा!" मिस्टर बर्नहैम ने कहा.

"यह सच में एक पागल विचार है!" दूसरों ने कहा.
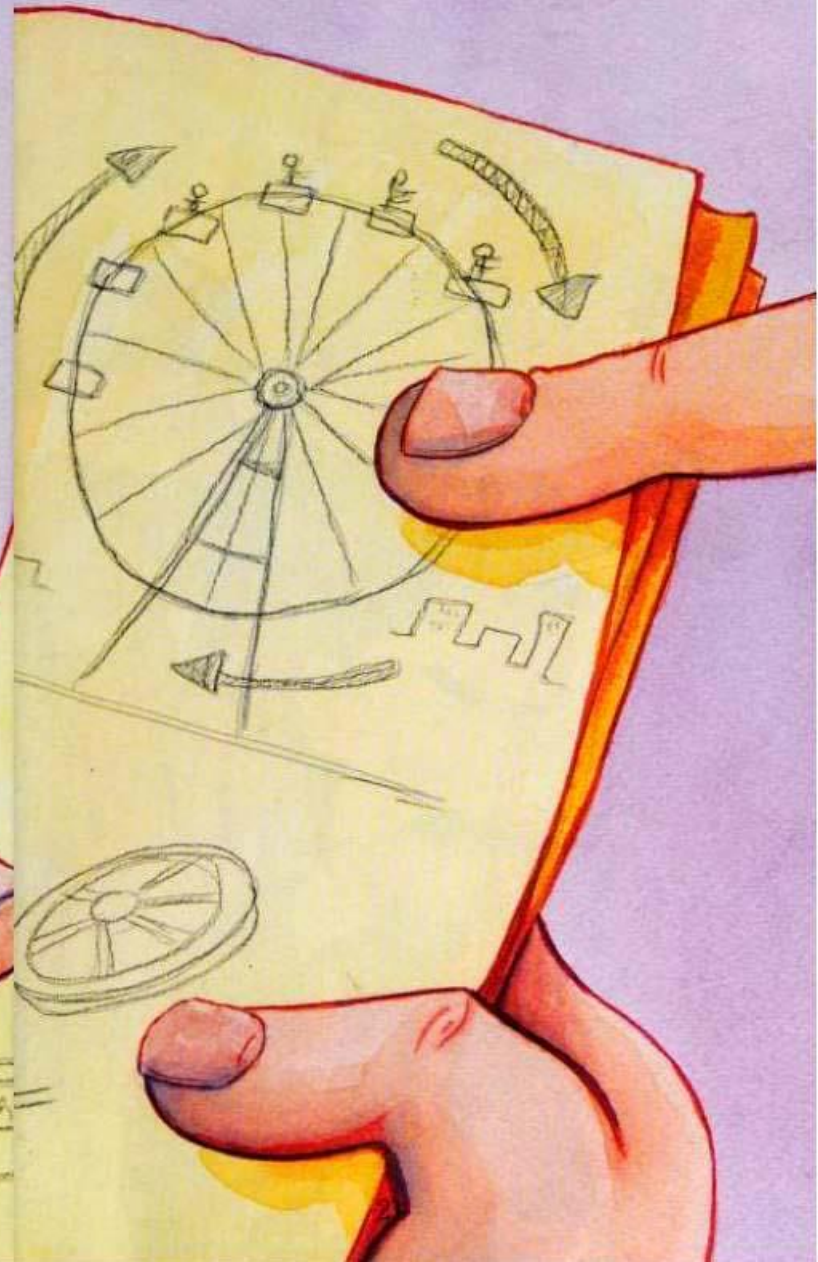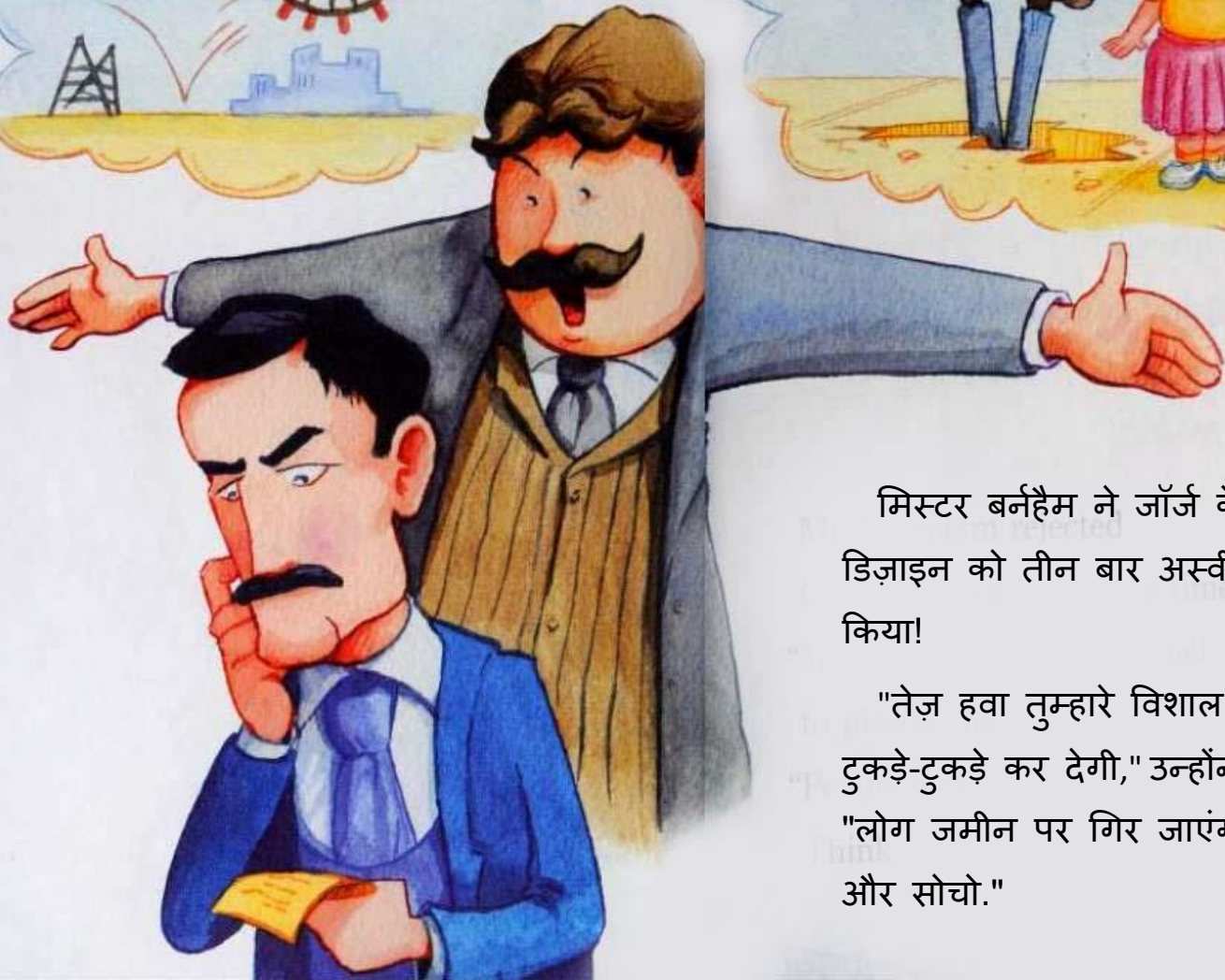
मिस्टर बर्नहैम ने जॉर्ज के बनाए डिज़ाइन को तीन बार अस्वीकार किया!

"तेज़ हवा तुम्हारे विशाल पहिए के टुकड़े-टुकड़े कर देगी," उन्होंने कहा. "लोग जमीन पर गिर जाएंगे! कुछ और सोचो."

लेकिन समय बहुत कम था और अन्य किसी के पास उससे कोई बेहतर विचार नहीं था.

दिसंबर में, मिस्टर बर्नहैम ने जॉर्ज को विशाल पहिया बनाने की अनुमति दी.

लेकिन उसका सारा खर्च जॉर्ज को खुद ही उठाना था! और उस विशाल पहिए को 1 मई, 1893 को उद्घाटन दिवस से पहले तैयार होना था.

क्या जॉर्ज के लिए वो करना संभव होगा?

शहर के किसी भी बैंक ने जॉर्ज को पैसा उधार नहीं दिया. बैंकों ने उसे दरवाजे का रास्ता दिखाया. उन्हें वो एक पागल विचार लगा.

जॉर्ज के दोस्तों ने उसकी मदद की. उन्हें कुछ धनी व्यक्ति मिले जो जॉर्ज को 400,000 डॉलर देने को तैयार हुए. उसके बाद काम शुरू हुआ.
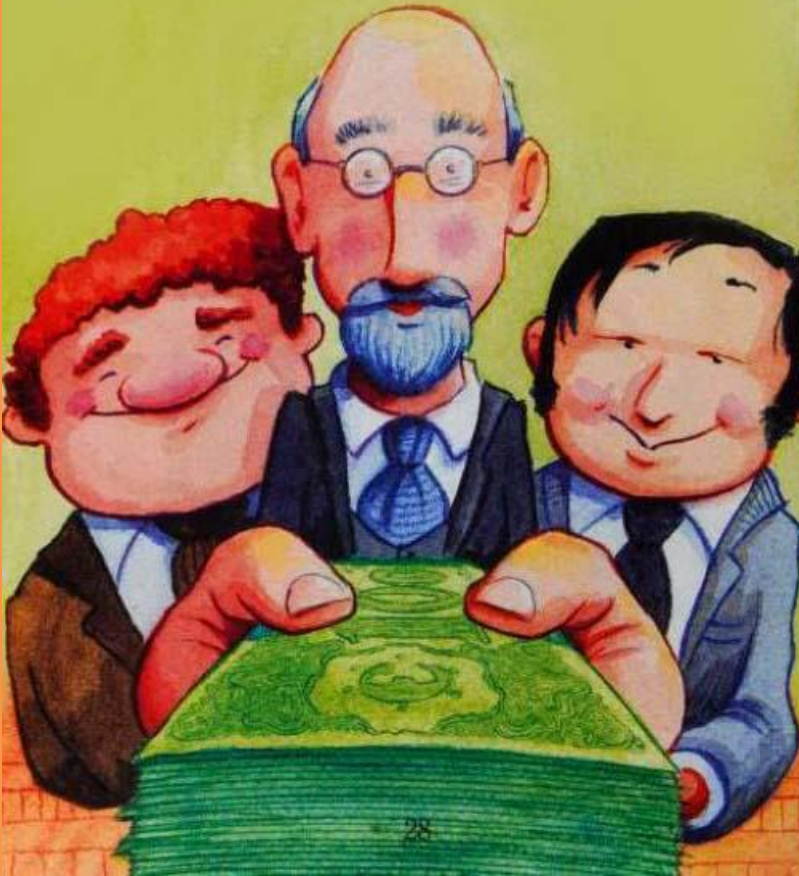
जब जॉर्ज ने उस विशाल सवारी पहिए को "मॉन्स्टर व्हील" नाम देना चाहा तो सभी लोग उस पर बहुत नाराज़ हुए.

इसलिए उसे "फेरिस व्हील" बुलाया गया.

नींव के लिए कंक्रीट डालने के लिए आठ गड्ढे खोदे गए.

इन गड्ढों में दो मिलियन पाउंड कंक्रीट भरा गया!
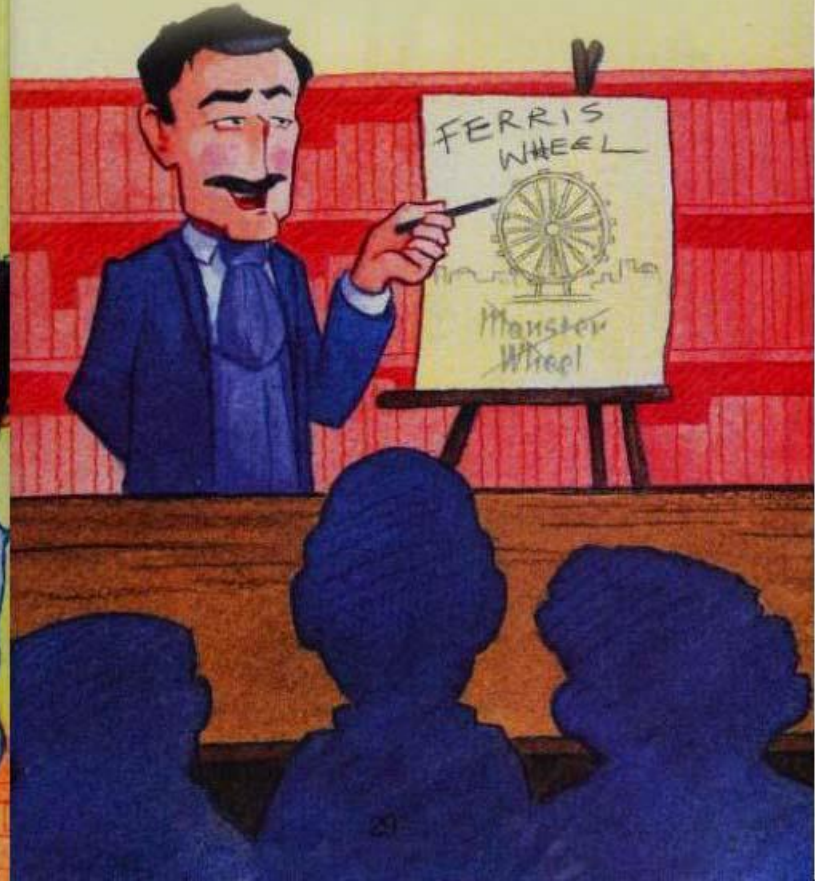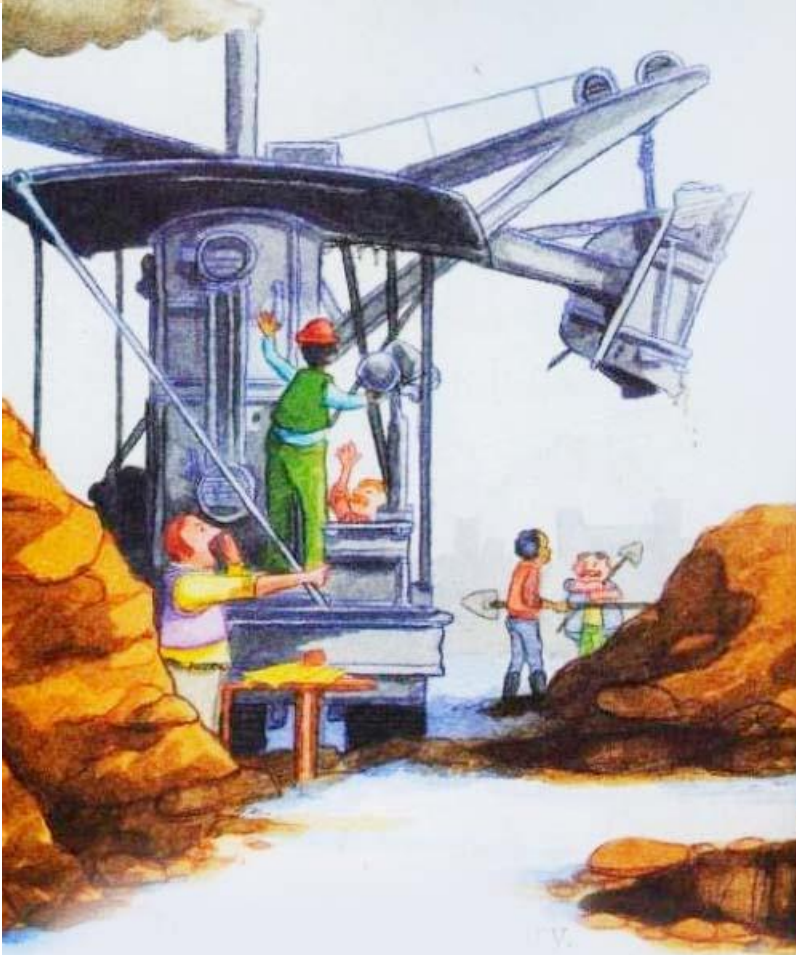
जनवरी में नींव की खुदाई शुरू हुई! उस साल बेहद कड़क सर्दी पड़ी थी. बर्फ जमी हुई जमीन को ब्लास्ट करने के लिए मजदूरों को डायनामाइट का इस्तेमाल करना पड़ा.

जॉर्ज ने रेल पटरियों का निर्माण किया ताकि एक मालगाड़ी उसके विशाल सवारी पहिए के हिस्सों को निर्माण स्थल तक ले जा सके.

केंद्र की धुरी का वजन सत्तर टन था! यह अमेरिका में ढाला गया स्टील का अब तक का सबसे बड़ा टुकड़ा था.
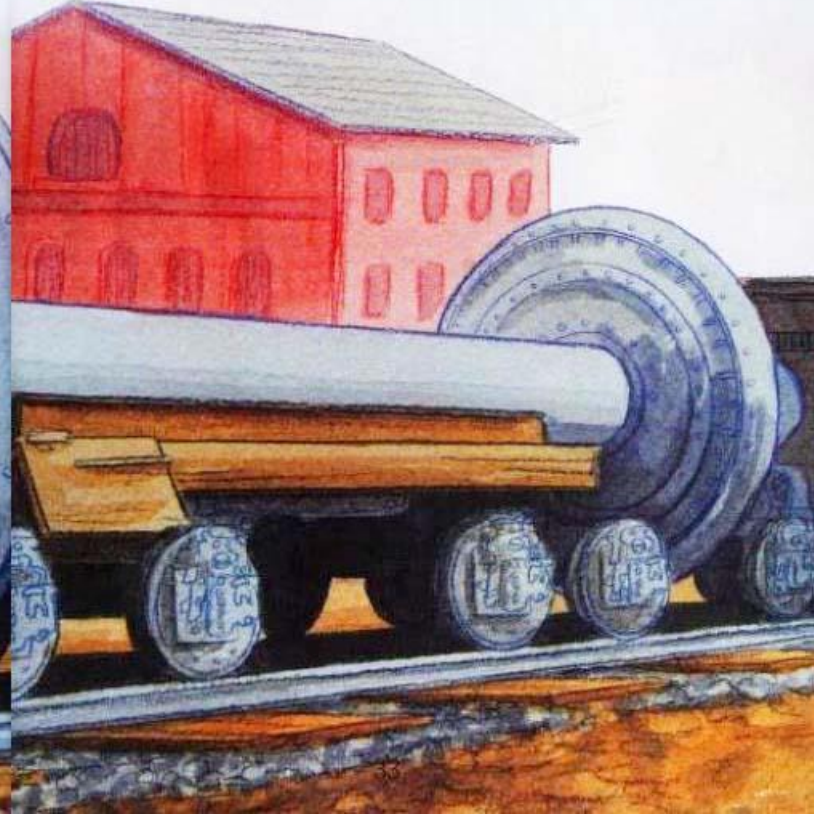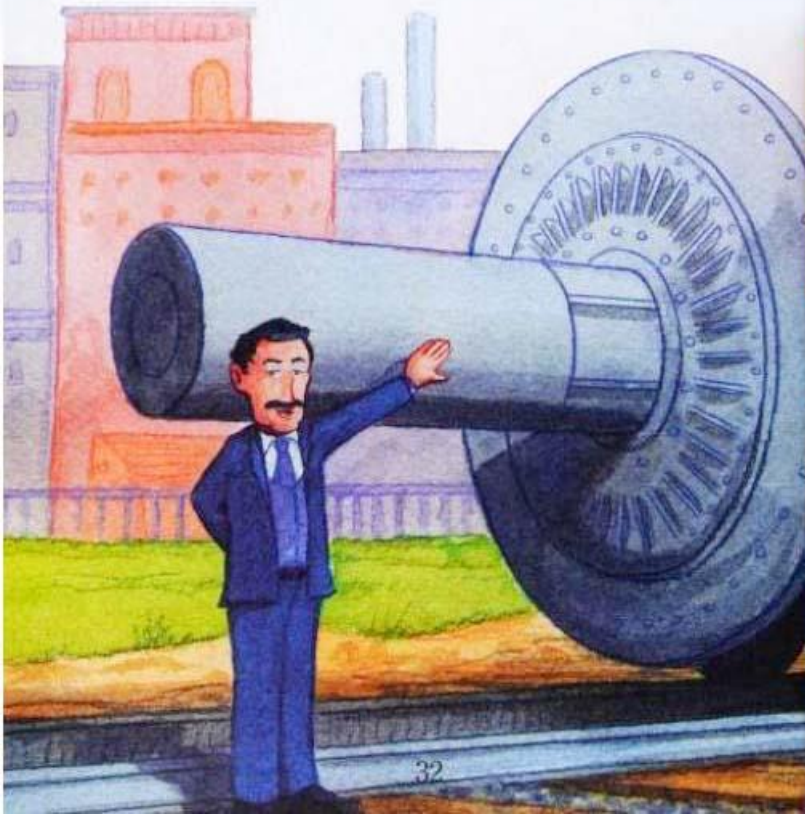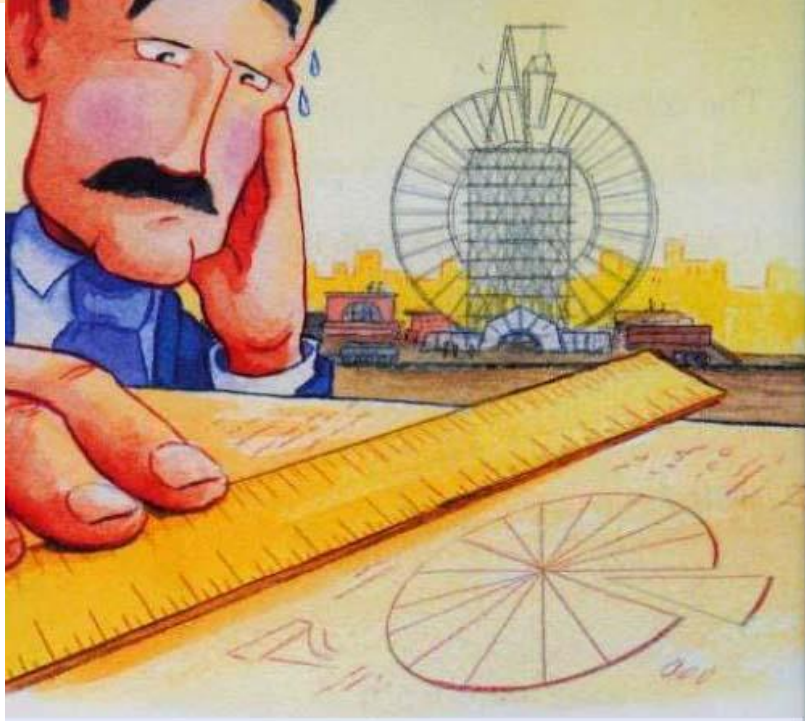
विशाल पहिए के टुकड़ों को एक "केक" के टुकड़ों आकार में बनाया गया था.

आखिर वो दिन आ गया जब आखिरी टुकड़ा ऊपर हवा में उठाया गया.

क्या वो फिट होगा?

जॉर्ज को उम्मीद थी कि उसकी गणित सही निकलेगी.

जॉर्ज की गणित बिलकुल सही निकली! टुकड़ा बढ़िया फिट हुआ.
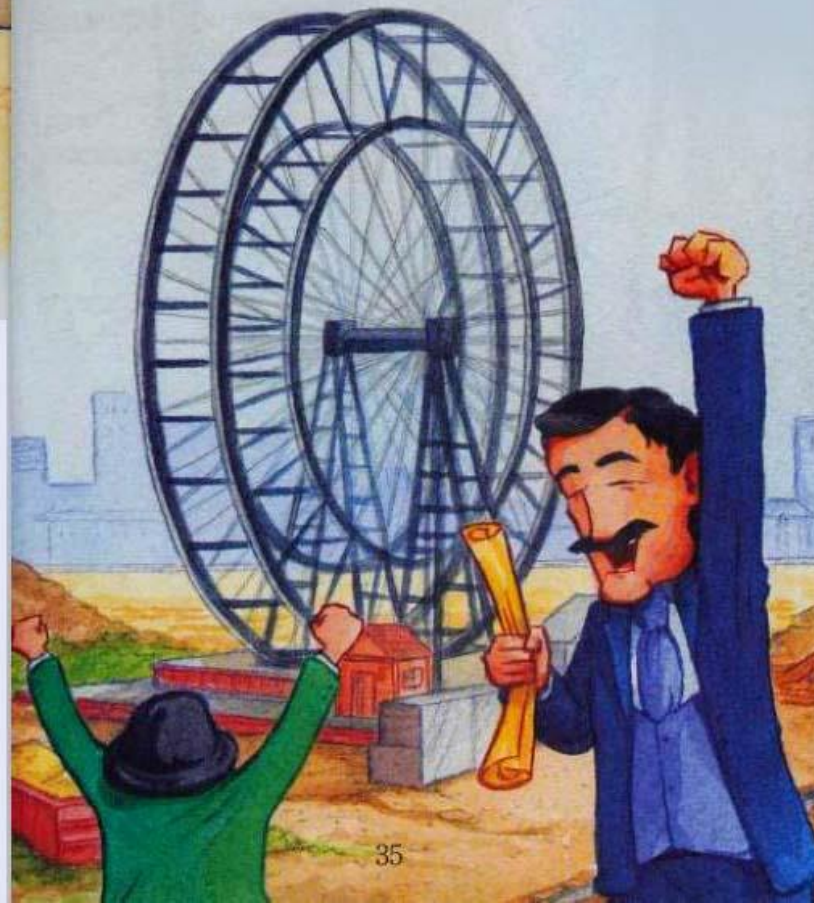
मेला शुरू हो चुका था, लेकिन विशाल पहिया अभी भी तैयार नहीं था. बैठने वाली छत्तीस स्टील कारों को अभी भी लगाया जाना बाकी था. प्रत्येक कार में साठ यात्री सवार हो सकते थे.

10 जून को, कारों को लटकाने का काम शुरू हुआ. जब काम समाप्त हुआ, तो पहिया देखने में जॉर्ज के बचपन की पनचक्की जैसा लग रहा था.
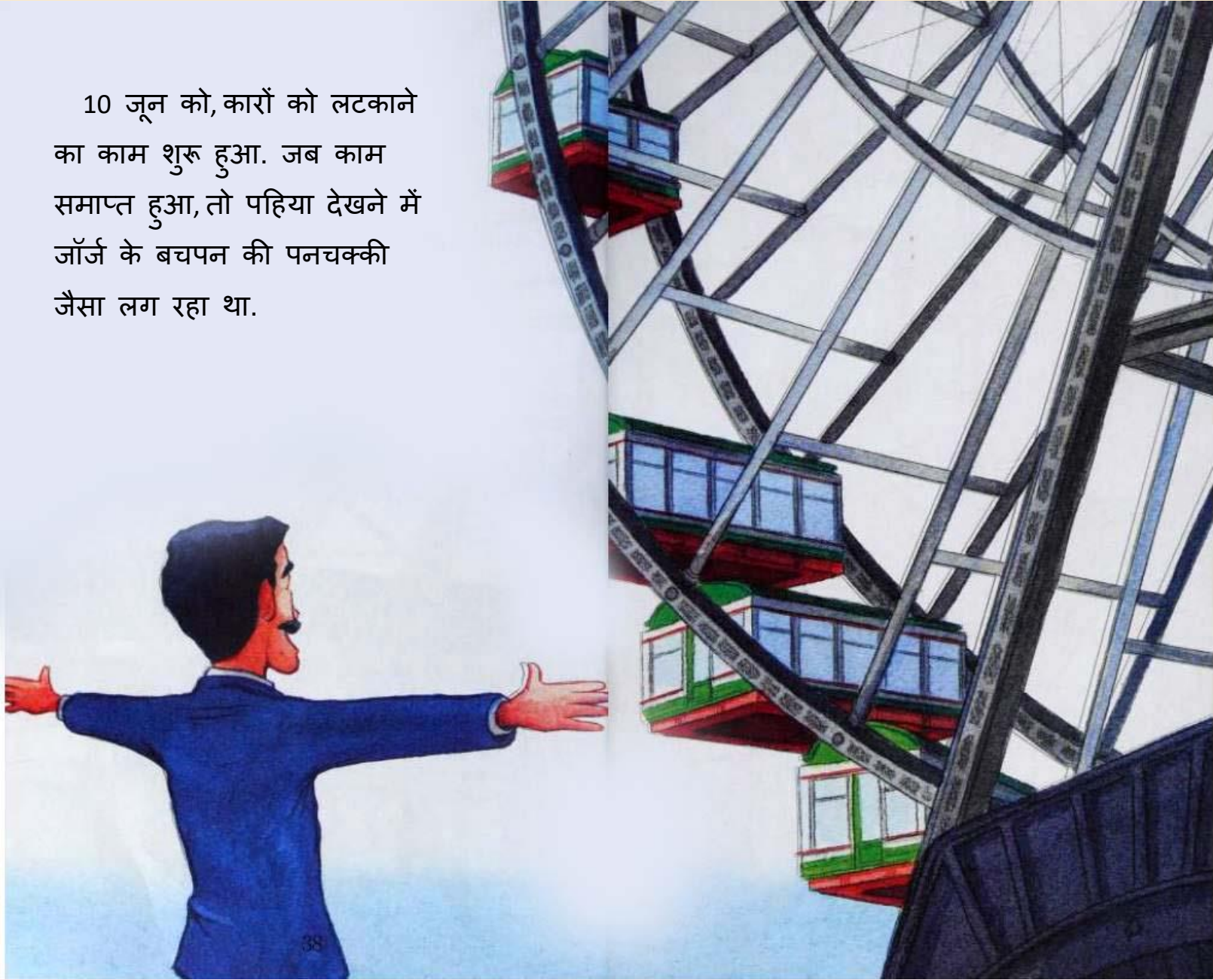
21 जून को फेरिस व्हील पर एक बड़ी भीड़ जमा हुई. जॉर्ज ने भाषण दिया. उसने सीटी बजाई.

यह फेरिस व्हील की यात्रियों के साथ पहली सवारी थी.
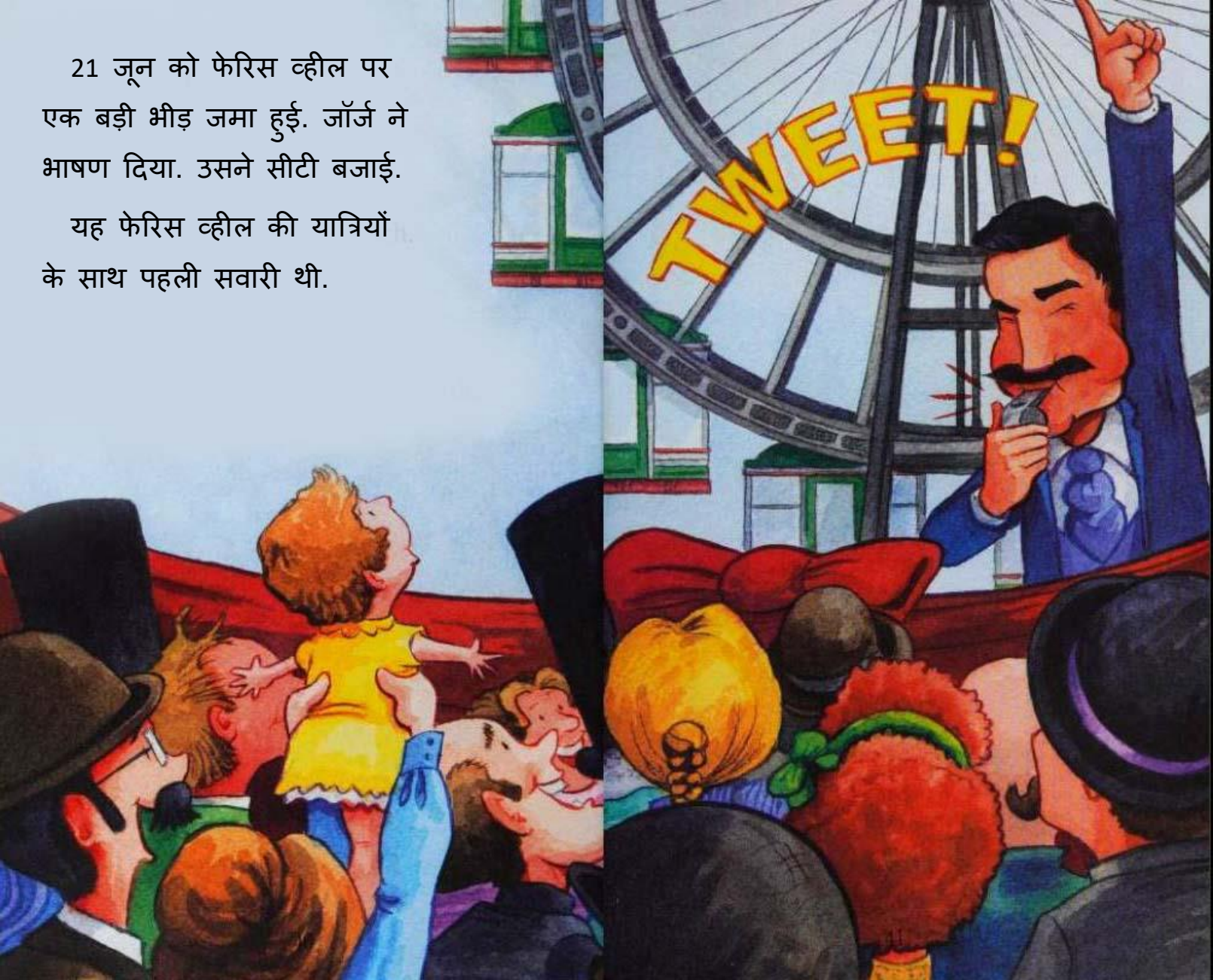
जॉर्ज, मार्गरेट और सैल भी एक स्टील की कार में सवार हुए.

शिकागो का मेयर ने भी वही किया.
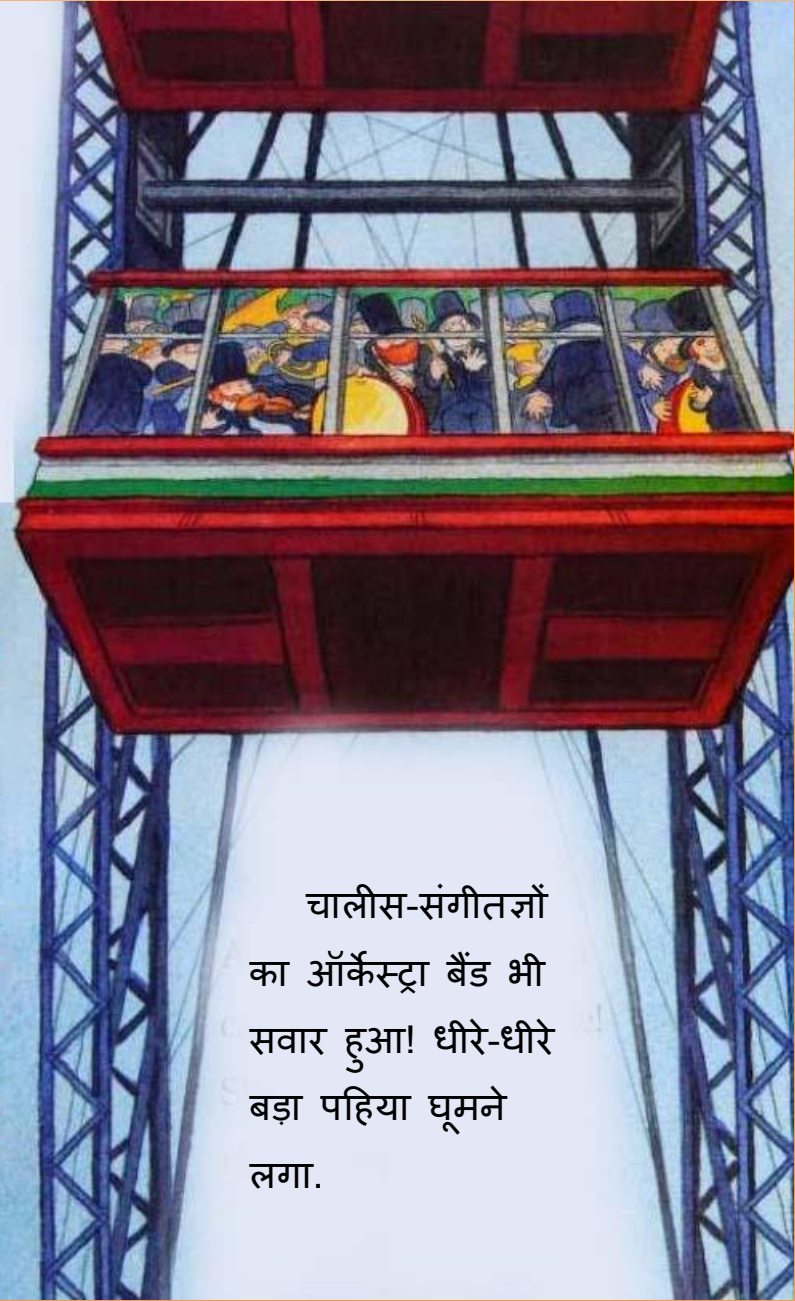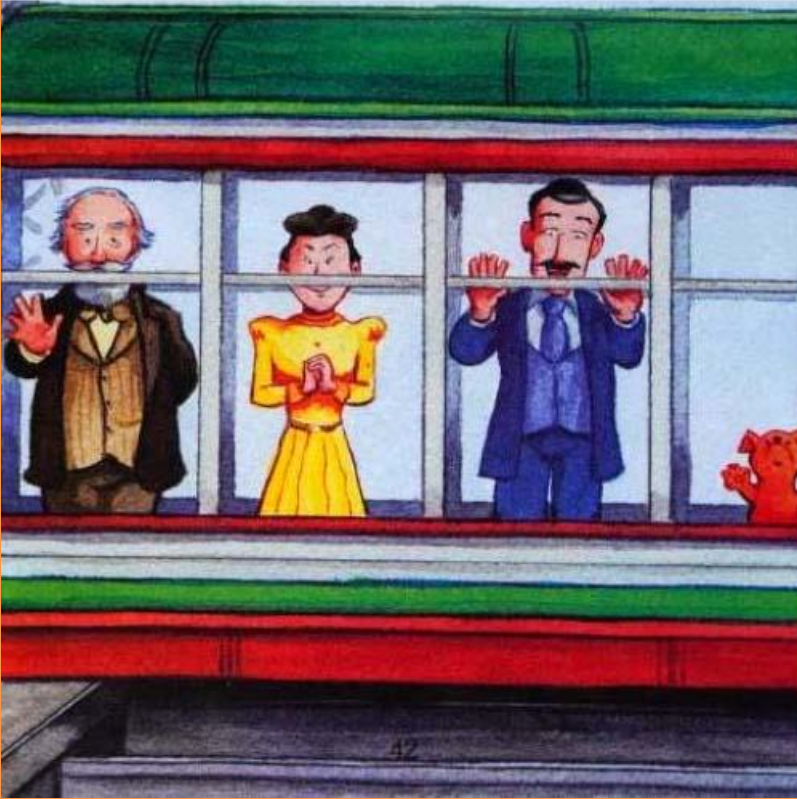
चालीस-संगीतज्ञों का ऑर्केस्ट्रा बैंड भी सवार हुआ! धीरे-धीरे बड़ा पहिया घूमने लगा.
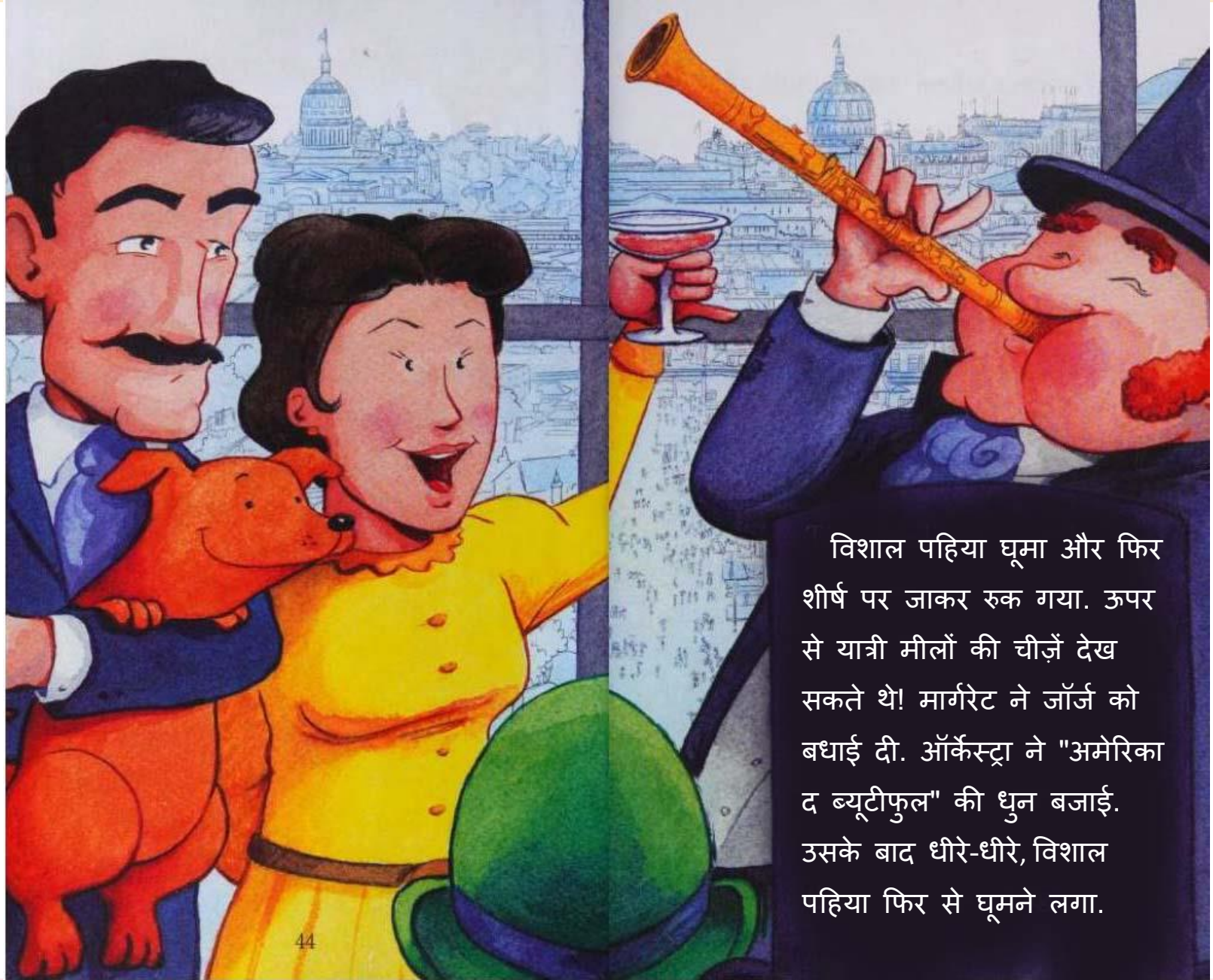
विशाल पहिया घूमा और फिर शीर्ष पर जाकर रुक गया. ऊपर से यात्री मीलों की चीज़ें देख सकते थे! मार्गरेट ने जॉर्ज को बधाई दी. ऑर्केस्ट्रा ने "अमेरिका द ब्यूटीफुल" की धुन बजाई. उसके बाद धीरे-धीरे, विशाल पहिया फिर से घूमने लगा.

जॉर्ज का विशाल पहिया 264 फीट लंबा था. आधुनिक फेरिस व्हील्स उससे काफी बड़े होते हैं.

लास वेगास में हाई रोलर, जॉर्ज के विशाल पहिए से लगभग दोगुना बड़ा है.
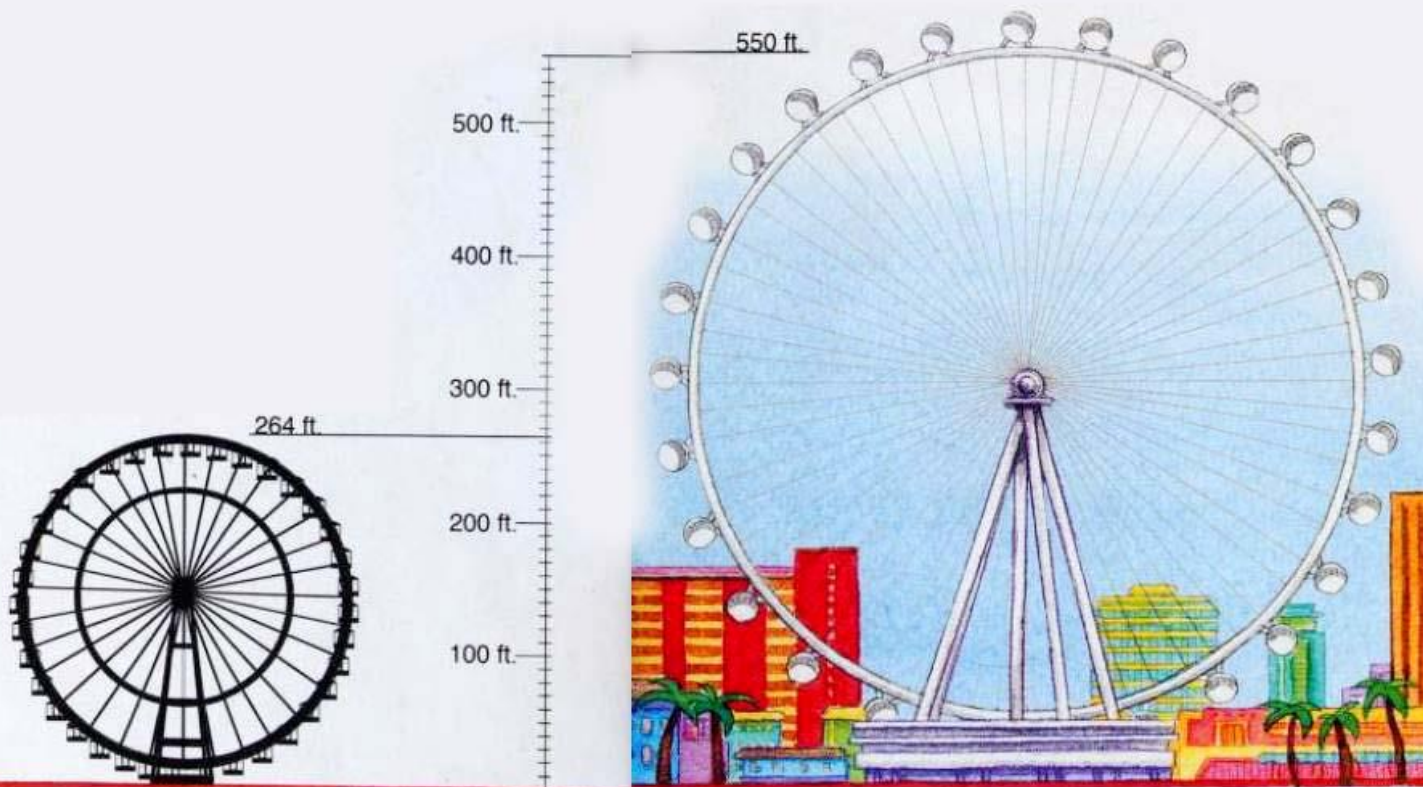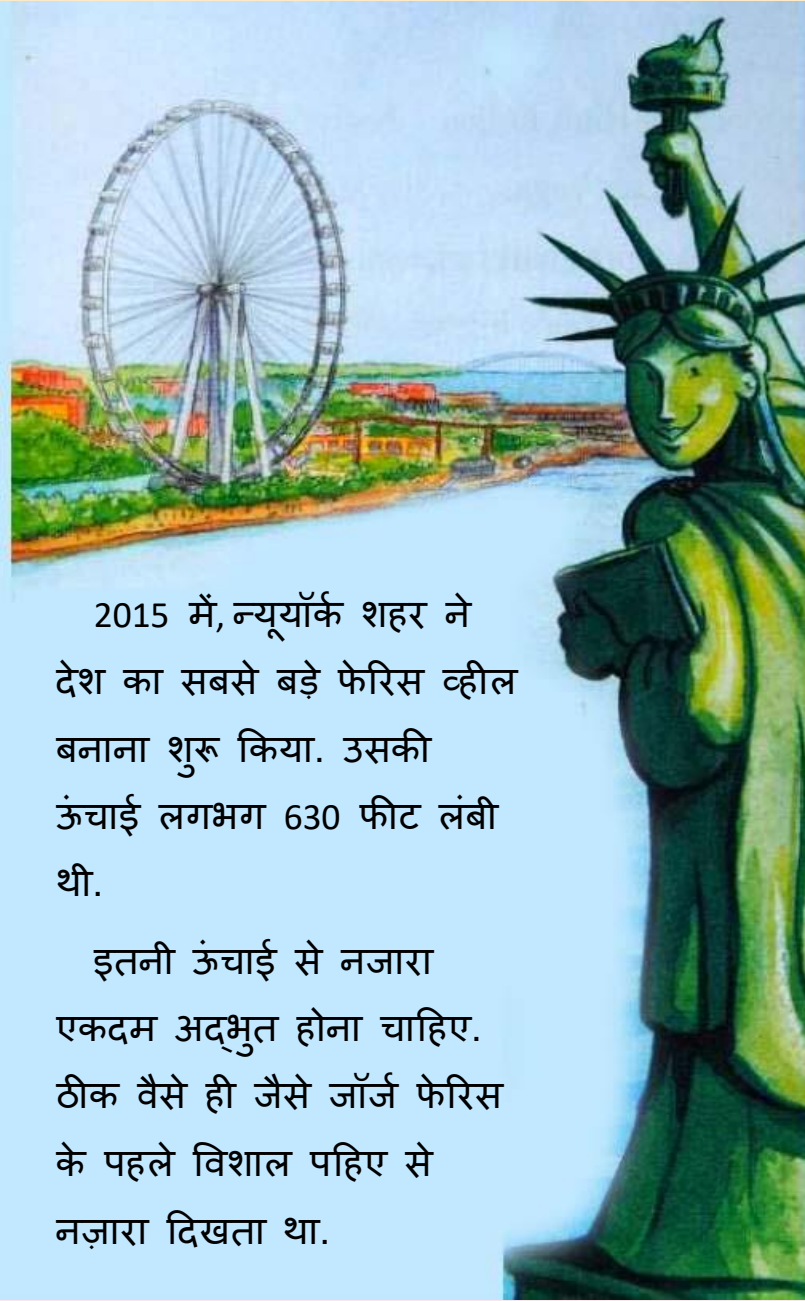
2015 में, न्यूयॉर्क शहर ने देश का सबसे बड़े फेरिस व्हील बनाना शुरू किया. उसकी ऊंचाई लगभग 630 फीट लंबी थी.

इतनी ऊंचाई से नजारा एकदम अद्भुत होना चाहिए. ठीक वैसे ही जैसे जॉर्ज फेरिस के पहले विशाल पहिए से नज़ारा दिखता था.

समाप्त